विषय—इतिहास
(कक्षा—12)

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न	10	1	10
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	5	2	10
लघु उत्तरीय प्रश्न	6	5	30
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	3	10	30
मानचित्र	5	02	10
ऐतिहासिक घटनाक्रम	10	01	10
	प्रश्नों की संख्या—39		योग — 100

ज्ञानात्मक — 30:

बोधात्मक — 40:

अनुप्रयोगात्मक — 20:

कौशलात्मक — 10:

सरल — 30:

सामान्य — 50:

कठिन — 20:

कक्षा—12 <u>इतिहास</u>

इसमें 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा।

भाग—1भाग—1 विषय —1 ईटें मनके तथा अस्थियाँ (हड़प्पा सभ्यता) 30 अंक

प्रथम शहर की कहानी — हड़प्पा का पुरातत्व

सिंहावलोकन — प्रारम्भिक नगरीय केन्द्र

हड़प्पा सभ्यता के खोज की कहानी

उद्धरण — प्रमुख स्थानों के पुरातात्विक विवरण

विमर्श (चर्चा) — इतिहासकारों और पुरातत्ववेत्ताओं द्वारा किस प्रकार उपयोग किया गया।

विषय —2 राजा किसान और नगर

राजनीतिक और आर्थिक इतिहास— शिलालेख किस प्रकार इतिहास का निर्माण करते हैं।

सिंहावलोकन — मौर्य काल से गुप्त काल तक का राजनैतिक, आर्थिक इतिहास।

खोज की कहानी— शिलालेख और लिपि का (स्पष्टीकरण)।

अभिज्ञान।

राजनीतिक और आर्थिक इतिहास की अवधारणा में परिवर्तन।

उद्धरण – अशोक के शिलालेख और गुप्तकालीन भूमिदान।

विचार विमर्श– इतिहासकारों द्वारा शिलालेख की विवेचना।

विषय –3 बंधुत्व जाति तथा वर्ग

सामाजिक इतिहास– महाभारत के सन्दर्भ में।

सिंहावलोकन – जाति, वर्ग, बन्धुत्व और लिंग के सन्दर्भ में सामाजिक इतिहास।

खोज की कहानी–महाभारत के सन्दर्भ में इसका प्रवर्तन और संचरण (प्रकाशन)।

उद्धरण – महाभारत से। इतिहासकारों द्वारा इसे किस रूप में व्याख्यायित किया गया।

विचार विमर्श– सामाजिक इतिहास के पुनर्निर्माण के अन्य स्त्रोत।

विषय –4 विचारक, विश्वास और इमारतें।

बौद्ध धर्म का इतिहास : साँची स्तूप

सिंहावलोकन – वैदिक धर्म, जैन धर्म, वैष्णव धर्म, शैव धर्म के संक्षिप्त इतिहास का अवलोकन।

मुख्यतः बौद्धधर्म

खोज की कहानी– बौद्ध धर्म के सन्दर्भ में साँची स्तूप के खोज की कहानी।

उद्धरण – साँची स्तूप की शिल्पकला का पुनर्निर्माण।

विचार विमर्श – इतिहासकारों द्वारा शिल्प–कला का प्रयोग किस प्रकार किया गया।

बौद्ध धर्म के इतिहास के पुनर्निर्माण के अन्य स्त्रोत।

भाग–2 30 अंक

विषय–6 भक्ति,सूफी, परम्परा।

धार्मिक इतिहास– भक्ति और सूफी परम्परा।

सिंहावलोकन – (1) धार्मिक विकास की रूपरेखा।

(2) भक्ति और सूफी सन्तों के विचार और व्यवहार।

संचरण (बदलाव) की कहानी– किस प्रकार भक्ति और सूफी कृतियों को संरक्षित किया गया।

उद्धरण – चुने हुये भक्ति–सूफी रचनाओं का सार।

विचार विमर्श– इतिहासकारों द्वारा की गयी विवेचना।

विषय–7 एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर।

नव स्थापत्य – हम्पी

सिंहावलोकन – (1) विजय नगर कालीन नई इमारतों की रूपरेखा, मन्दिर, किले एवं सिंचाई सुविधायें।

(2) स्थापत्य और राजनीतिक व्यवस्था के बीच सम्बन्ध।

खोज की कहानी– हम्पी की खोज किस प्रकार हुयी।

उद्धरण – हम्पी की इमारतों का दृश्य।

विचार विमर्श– इतिहासकारों द्वारा इन इमारतों की संरचना का विश्लेषण और विवेचना।

विषय–9 शासक और विभिन्न इतिवृन्त।

मुगल दरबार (साम्राज्य)– इतिवृत्तों के आधार पर इतिहास का पुनर्लेखन।

सिंहावलोकन – (1) पन्द्रहवीं से सत्रहवीं शताब्दी के राजनीतिक इतिहास की रूपरेखा।

(2) मुगल दरबार और राजनीति पर विचार–विमर्श।

खोज की कहानी— दरबारी इतिवृत्तों की रचना और उनका परवर्ती अनुवाद, प्रसार का विवरण।

उद्धरण — अकबरनामा और पादशाहनामा।

विचार विमर्श— इतिहासकारों द्वारा राजनैतिक इतिहास के पुनर्निर्माण में उनका उपयोग।

भाग—3 30 अंक

विषय—10 उपनिवेशवाद और देहात।

उपनिवेशवाद और ग्रामीण समाज—सरकारी प्रतिवेदनों से साक्ष्य।

सिंहावलोकन — (1) 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जमींदारों, किसानों और कलाकारों का जीवन वृत्तान्त।

(2) ईस्ट इण्डिया कम्पनी, राजस्व व्यवस्था और सर्वेक्षण।

(3) 19वीं शताब्दी में परिवर्तन।

सरकारी दस्तावेजों की कहानी— ग्रामीण समाज में सरकारी जाँच क्यों की गयी, का विवरण। विवरणों के प्रकार और प्रस्तुत प्रतिवेदन।

उद्धरण — फिरमिंगर्स का पंचम प्रतिवेदन, फ्रांसिस बुकानन—हैमिल्टन और दक्कन दंगा रिपोर्ट।

विचार विमर्श— सरकारी दस्तावेज क्या कह रहे हैं और क्या नहीं, इतिहासकारों ने किस प्रकार इसका उपयोग किया।

विषय—11 विद्रोही और राज्य।

1857 ई0 का चित्रण—

सिंहावलोकन — (1) 1857—58 की घटनायें।

(2) इन घटनाओं को किस प्रकार संरक्षित और चित्रित किया गया।

मुख्यतः — लखनऊ।

उद्धरण — 1857ई0 के चित्र, समकालीन विवरणों का उद्धरण (अंश)

विचार विमर्श— 1857ई0 के दृश्यों ने किस प्रकार अंग्रेजों के परामर्श को परिभाषित किया।

विषय—13 महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन।

समकालीन विचारकों की दृष्टि में महात्मा गाँधी।

सिंहावलोकन — (1) राष्ट्रवादी आन्दोलन 1918—48 ई0

(2) गाँधीवादी राजनीति की प्रकृति और नेतृत्व

मुख्यतः — (केन्द्रित) — 1931 ई0 में महात्मा गाँधी।

उद्धरण —अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों की रिपोर्ट (आख्या)और अन्य समकालीन लेख।

विचार विमर्श— समाचार पत्र किस प्रकार ऐतिहासिक स्त्रोत हो सकते हैं।

विषय—15 संविधान का निर्माण—

सिंहावलोकन — (1) स्वतंत्रता और नूतन राष्ट्रीय राज्य।

(2) संविधान का निर्माण

मुख्यतः — संविधान सभा के विचार—विमर्श

उद्धरण — विचार विमर्श से।

विचार विमर्श— विचार—विमर्श से क्या निष्कर्ष निकला और उसे किस प्रकार विश्लेषित किया गया।

16. मानचित्र कार्य— 70% पाठ्यक्रम से 10 अंक

05 प्रश्न प्रत्येक 02 अंक

01 अंक सही उत्तर तथा 01 अंक सही स्थान अंकन हेतु निर्धारित है। दृष्टिबाधित छात्र–छात्राओं के लिये मानचित्र कार्य के स्थान पर 05 प्रश्न प्रत्येक 02 अंकों के रखे जांय।

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

भाग–2 विषय–5 यात्रियों के नजरिये।

यात्रियों के विवरण के आधार पर मध्यकालीन समाज–

सिंहावलोकन – (1) यात्रियों के विवरण के आधार पर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की रूपरेखा।

लेखन की कहानी– उनका यात्रा विवरण– कहाँ की यात्रा की, क्यों की, क्या लिखा, किसके बारे में लिखा

उद्धरण – अलबरूनी, इब्नबतूता, बर्नियर से।

विचार विमर्श– उनके यात्रा विवरण क्या बता रहे हैं और किस प्रकार इतिहासकारों ने उसे व्याख्यायित किया है।

विषय–8 किसान जमीदार और राज्य।

कृषि सम्बन्ध – आईन–ए–अकबरी के परिप्रेक्ष्य में।

सिंहावलोकन – (1) सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी में कृषि सम्बन्धी संरचना।

(2) कृषि में तत्कालीन परिवर्तन का ढाँचा।

खोज की कहानी– आईन–ए–अकबरी का संकलन तथा अनुवाद सम्बन्धी विवरण।

उद्धरण – आईन–ए–अकबरी से

विचार विमर्श– इतिहासकारों ने इतिहास के पुनर्निर्माण में आईन– ए–अकबरी का किस प्रकार प्रयोग किया।

भाग–3 विषय–12 उपनिवेशवाद और भारतीय नगर– नगर नियोजन और म्यूनिसपल रिपोर्ट।

सिंहावलोकन – 18वीं, 19वीं शताब्दी में मुम्बई, चेन्नई, पहाड़ी क्षेत्रों और कैन्टोन्मेन्ट का विकास।

उद्धरण – छायाचित्र और चित्रकारी, शहरों की योजना, नगर योजना प्रतिवेदनों का सार। कोलकाता नगर– नियोजन को केन्द्र में रखकर।

विचार विमर्श– किस तरह से उपर्युक्त स्त्रोत नगरों के इतिहास के पुनर्निर्माण में प्रयोग किये गये। ये स्त्रोत क्या उद्‌घाटित नहीं करते?

विषय–14 विभाजन को समझना।

मौखिक स्त्रोतों के आधार पर विभाजन–

सिंहावलोकन – (1) 1940 ई0 का इतिहास

(2) राष्ट्रीयता, सम्प्रदायवाद और विभाजन।

मुख्यतः – (केन्द्रित) – पंजाब और बंगाल

उद्धरण – मौखिक साक्ष्य जिनके द्वारा विभाजन का अनुभव किया गया।

विचार विमर्श– विधियाँ जिनके द्वारा इतिहास के पुनर्निर्माण हेतु घटनाओं को विश्लेषित किया गया।